❍ 11 / 01 / 22 की मुरली से चार्ट ❍
⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

∬ 1 ∬ होमवर्क (Marks: 5*4=20)

➢➢ *और संग तोड़ एक बाप से जोड़ा ?*

➢➢ *हर संकल्प और कर्म में ब्रह्मा बाप को फॉलो किया ?*

➢➢ *गोपी वल्लभ की सच्ची सच्ची गोपिका बनकर रहे ?*

➢➢ *बेहद की प्राप्तियों में मगन रहे ?*

────────────────────────

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

☆ *अव्यक्त पालना का रिटर्न* ☆

❂ *तपस्वी जीवन* ❂

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

〰✧ *कितना भी कार्य की चारों ओर की खींचतान हो, बुद्धि सेवा के कार्य में अति बिजी हो - ऐसे टाइम पर अशरीरी बनने का अभ्यास करके देखो। यथार्थ सेवा का कभी बन्धन होता ही नहीं क्योंकि योग युक्त, युक्तियुक्त सेवाधारी सदा सेवा करते भी उपराम रहते हैं।* ऐसे नहीं कि सेवा ज्यादा है इसलिए अशरीरी नहीं बन सकते। *याद रखो मेरी सेवा नहीं बाप ने दी है तो निर्बन्धन रहेंगे।* 'ट्रस्टी हूँ, बन्धन मुक्त हूँ' ऐसी प्रैक्टिस करो। अति के समय अन्त की स्टेज, कर्मातीत अवस्था का अभ्यास करो।

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

∬ 2 ∬ तपस्वी जीवन (Marks:- 10)

➢➢ *इन शिक्षाओं को अमल में लाकर बापदादा की अव्यक्त पालना का रिटर्न दिया ?*

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚
☆ *अव्यक्त बापदादा द्वारा दिए गए* ☆
❂ *श्रेष्ठ स्वमान* ❂
✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

✺ *"मैं प्रकृति की हलचल को साक्षी हो देखने वाली प्रकृति जीत आत्मा हु"*

〰✧ सदा मायाजीत और प्रकृतिजीत हो? मायाजीत तो बन ही रहे हो लेकिन प्रकृतिजीत भी बनो क्योंकि अभी प्रकृति की हलचल तो बहुत होनी हैं ना। हलचल में अचल रहो, ऐसे अचल बने हो? कभी समुद्र का जल अपना प्रभाव दिखायेगा तो कभी धरनी अपना प्रभाव दिखायेगी। *अगर प्रकृतिजीत होंगे तो प्रकृति की कोई भी हलचल अपने को हिला नहीं सकेगी। सदा साक्षी होकर सब खेल देखते रहेंगे।*

〰✧ *जैसे फरिश्तों को सदा ऊंची पहाड़ी पर दिखाते हैं, तो आप फरिश्ते सदा ऊंची स्टेज अर्थात् ऊंची पहाड़ी पर रहने वाले।* ऐसी ऊंची स्टेज पर रहते हो?

〰✧ *जितना ऊंचे होंगे उतना हलचल से स्वत: परे रहेंगे।* अभी देखो यहाँ पहाड़ी पर आते हो तो नीचे की हलचल से स्वत: ही परे हो ना! शहरों में कितनी हलचल और यहाँ कितनी शान्ति और साधारण स्थिति में भी कितना रात-दिन का अन्तर होगा।

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

∬ 3 ∬ स्वमान का अभ्यास (Marks:- 10)

➢➢ *इस स्वमान का विशेष रूप से अभ्यास किया ?*

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

❂ *रूहानी ड्रिल प्रति* ❂

☆ *अव्यक्त बापदादा की प्रेरणाएं* ☆

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

〰✧ मनोबल की बडी महिमा है। यह रिद्धि-सिद्धि वाले भी मनोबल द्वारा अल्पकाल के चमत्कार दिखाते हैं। आप तो विधिपूर्वक रिद्धि-सिद्धि नहीं, विधिपूर्वक कल्याण के चमत्कार दिखायेंगे जो वरदान हो जायेंगे, आत्माओं के लिए यह संकल्प शक्ति का प्रयोग वरदान सिद्ध हो जायेगा। तो *पहले यह चेक करो कि मन को कन्ट्रोल करने की कन्ट्रोलिंग पॉवर है?*

〰✧ सेकण्ड में जैसे साइन्स की शक्ति, स्विच के आधार से, स्विच ऑन करो, स्विच ऑफ करो - ऐसे सेकण्ड में मन को जहाँ चाहो, जैसे चाहो, जितना समय चाहो, उतना कन्ट्रोल कर सकते हैं? बहुत अच्छे-अच्छे स्वयं प्रति भी और सेवा प्रति भी सिद्धि रूप दिखाई देंगे। *लेकिन बापदादा देखते हैं कि संकल्प शक्ति के जमा का खाता अभी साधारण अटेन्शन है।*

〰✧ जितना होना चाहिए उतना नहीं है। संकल्प के आधार पर बोल और कर्म ऑटोमेटिक चलते हैं। अलग-अलग मेहनत करने की जरूरत ही नहीं है, आज बोल को कन्ट्रोल करो, आज दृष्टि को अटेन्शन में लाओ, मेहनत करो, आज वृत्ति को अटेन्शन से चेज करो। *अगर संकल्प शक्ति पॉवरफुल हो तो यह सब स्वतः ही कन्ट्रोल में आ जाते हैं।* मेहनत से बच जायेंगे। तो संकल्प शक्ति का महत्व जाने।

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

∬ 4 ∬ रूहानी ड्रिल (Marks:- 10)

➢➢ *इन महावाक्यों को आधार बनाकर रूहानी ड्रिल का अभ्यास किया ?*

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

❂ *साइलेंस पॉवर प्रति* ❂

☆ *अव्यक्त बापदादा के इशारे* ☆

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

〰✧ साइलेन्स की शक्ति कितनी महान है? *साइलेन्स की शक्ति क्रोध-अग्नि को शीतल कर देती है।* साइलेन्स की शक्ति *व्यर्थ संकल्पों की हलचल को समाप्त कर सकती है।* साइलेन्स की शक्ति ही कैसे भी पुराने संस्कार हों, ऐसे *पुराने संस्कार समाप्त कर देती है।* साइलेन्स की शक्ति अनेक प्रकार के *मानसिक रोग सहज समाप्त कर सकती है।*

〰✧ साइलेंन्स की शक्ति, *शान्ति के सागर बाप से अनेक आत्माओं का मिलन करा सकती है।* साइलेन्स की शक्ति-अनेक जन्मों से *भटकती हुई आत्माओं को ठिकाने की अनुभूति करा सकती है।* महान आत्मा, धर्मात्मा सब बना देती है। साइलेन्स की शक्ति - *सेकण्ड में तीनों लोकों की सैर करा सकती है।*

〰✧ साइलेन्स की शक्ति- *कम मेहनत, कम खर्चा वालानशीन करा सकती है*साइलेन्स की शक्ति *समय के खज़ाने में भी एकानामी करा देती है अर्थात् कम समय में ज्यादा सफलता पा सकते हो।* साइलेन्स की शक्ति- *हाहाकार से जयजयकार करा सकती है।* साइलेन्स की शक्ति सदा आपके गले में *सफलता की मालायें पहनायेंगी।*

✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

∬ 5 ∬ अशरीरी स्थिति (Marks:- 10)

➢➢ *इन महावाक्यों को आधार बनाकर अशरीरी अवस्था का अनुभव किया ?*

⋆｡˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚ ••☆••✧˚ ˚

———————————————

∬ 6 ∬ बाबा से रूहरिहान (Marks:-10)
(आज की मुरली के सार पर आधारित...)

✺ *"ड्रिल :- ज्ञान की बुलबुल बनकर आप समान बनाने की सेवा करना"*

➳ _ ➳ 'अमृतवेला हो गई भोर चल रे मनवा वतन की ओर'- ये गाना सुनते ही मैं आत्मा उठकर बैठ जाती हूँ... प्यारे बाबा को गुड मॉर्निंग कहकर उड़ चलती हूँ वतन की ओर... मेरा ही इन्तजार करते हुए बाबा बाहें फैलाए खड़े हैं... बाबा की बाँहों में मैं आत्मा सिमट जाती हूँ... *बाबा के प्यार में लवलीन होकर मेरा दिल गा रहा है... अपने प्यार को उजागर कर रहा है -- 'सूरज से किरणें जैसे, सागर से लहरें जैसे करते प्यार हैं, फूलों से खुशबू जैसे, ओ बाबा तुमसे- ऐसे इस दिल का प्यार है...'*

❉ *मेरे प्यारे बाबा खुश होकर मुझ पर मीठे मीठे प्यार के फूल बरसाते हुए कहते हैं:-* "मेरे मीठे फूल बच्चे... जो मीठा सुखद जीवन आप बच्चों ने ईश्वरीय छाँव में पाया है वह सुखदायी बहार विश्व के कोने कोने में महका आओ... सच्चे ज्ञान से सबके दामन में खुशियो के फूल खिला आओ... सुखो की जन्नत भरी राह हर नजर में समा आओ... *आप समान सबको खुशनुमा जीवन की सौगात दे आओ... ज्ञान की बुलबुल बनकर आप समान बनाने का धंधा करो..."*

➳ _ ➳ *मैं आत्मा खुशियों के अम्बार से अपनी झोली भरते हुए कहती हूँ:- * "हाँ मेरे मीठे प्यारे बाबा... मै आत्मा दखो में कभी कांव कांव करने वाली

आज खुबसूरत सी ज्ञान की बुलबुल हो चली हूँ... मीठा सा रूहानी रूप मीठी वाणी और सच्चे ज्ञान की झनकार लिये... *खुशियो का पर्याय बन सबको आप समान मीठी मुस्कान से सजा रही हूँ..."*

❇ *मीठे सागर बाबा सुख, शांति की किरणों से रोशन करते हुए कहते हैं:-* "मीठे प्यारे लाडले बच्चे... *ईश्वर पिता ने अपनी गोद में बिठा प्यार के जादू भरे हाथो से ज्ञान बुलबुल के रूप में संवारा है... तो वह ज्ञान की मीठी सी कूक हर आत्मा दिल को सुना आओ...* सबको जनमो के दुखो से सच्ची आथत राहत दे आओ... खुद को यादो के सागर में भिगोते हुए इन ज्ञान की सुखद लहरो से हर मन को शीतल कर आओ..."

➳ _ ➳ *मैं आत्मा सच्चे दिल से प्यारे बाबा को शुक्रिया अदा करते हुए कहती हूँ:-* "मेरे प्राणप्रिय बाबा... आपसे पाये सच्चे ज्ञान ने मेरा जीवन पारस सा कीमती बना दिया है... आपकी मीठी यादो में बुलबुल बन ज्ञान से चहक रही हूँ... *सच्चे ज्ञान से पायी खुशियां हर दिल पर दिल खोलकर लुटा रही हूँ..."*

❇ *मेरे बाबा जन्म जन्म की मेरी प्यास को बुझाते हुए कहते हैं:-* "प्यारे सिकीलधे मीठे बच्चे... ईश्वर के लिए जो दिल जनमो से व्याकुल था आज ईश्वर पिता को पाकर मीठी यादो में डूबा है, की नही अपने दिल से पूछो... यादो के समन्दर में गहरे खोया है या संसार में गोते लगा रहा... *अपनी यादो के पैमाने को जांचते हुए ईश्वरीय यादो की खुशबु से पूरे विश्व को सुवासित कर आओ..."*

➳ _ ➳ *मैं आत्मा अविनाशी खजानों को बटोरते हुए, सबको बांटते हुए कहती हूँ:-* "हाँ मेरे मीठे बाबा... मै आत्मा आपसे पाये सुख, ज्ञान खजाने और शक्तियो रुपी अपार दौलत से हर दिल को दीवाना बना रही हूँ... *सबको सुखो का सच्चा रास्ता बताकर सदा का सुखी बना रही हूँ... सबके दिलो में सच्ची मुस्कराहट भर रही हूँ..."*

———————————————————

∬ 7 ∬ योग अभ्यास (Marks:-10)
(आज की मुरली की मुख्य धारणा पर आधारित...)

✺ *"ड्रिल :- पढ़ाई से कदम - कदम मे पदम जमा करने हैं*"

➳ _ ➳ जिस भगवान के दर्शन मात्र के लिए दुनिया प्यासी है वो भगवान शिक्षक बन मुझे पढ़ाने के लिए अपना धाम छोड़ कर आते हैं, यह ख्याल मन मे आते ही एक रूहानी नशे से मैं आत्मा भरपूर हो जाती हूँ और खो जाती हूँ उस परम शिक्षक अपने प्यारे परमपिता परमात्मा शिव बाबा की याद में। *उनकी मीठी सुखदायी याद मुझे असीम आनन्द से भरपूर करने लगती है। और ऐसा अनुभव होता है जैसे मेरे परम शिक्षक, मीठे शिव बाबा का प्यार उनकी अनंत शक्तियों की किरणों के रूप में परमधाम से सीधा मुझ आत्मा पर बरसने लगा है*।

➳ _ ➳ इसी गहन आनन्द की अनुभूति में समाई हुई मैं आत्मा अपने गॉडली स्टूडेंट स्वरूप में स्थित हो कर, *अपने मोस्ट बिलवेड परम शिक्षक शिव बाबा की छत्रछाया के नीचे स्वयं को अनुभव करते हुए घर से चल पड़ती हूँ उस ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर जहां मेरे परम शिक्षक, मेरे मीठे शिव बाबा हर रोज मुझे ऐसी अविनाशी पढ़ाई पढ़ाने आते हैं जिसे पढ़ कर मैं भविष्य विश्व महारानी बनूँगी*। यह विचार मन मे आते ही एक दिव्य आलौकिक नशे से मैं भरपूर हो जाती हूँ और अपने परम शिक्षक की याद में तेज तेज़ कदमों से चलते हुए मैं पहुंच जाती हूँ अपने ईश्वरीय विश्वविद्यालय में और क्लासरूम में जा कर अपने परमप्रिय मीठे शिव बाबा की याद में बैठ जाती हूँ।

➳ _ ➳ मैं स्पष्ट अनुभव कर रही हूं कैसे शिव बाबा परमधाम से नीचे सूक्ष्म वतन में पहुंच कर अपने रथ पर विराजमान हो कर नीचे आ रहे हैं और आ कर सामने संदली पर बैठ गए हैं। *बापदादा के आते ही उनके शक्तिशाली वायब्रेशन पूरे क्लास रूम में फैलने लगें हैं*। ऐसा लग रहा है जैसे क्लासरूम में एक अलौकिक दिव्य रूहानी मस्ती छा गई है। एक दिव्य आलौकिक वायुमण्डल बन गया है। अपने परम शिक्षक बापदादा की उपस्थिति को क्लास रूम में बैठी हुई सभी ब्राह्मण आत्मायें स्पष्ट महसस कर रही हं। *बापदादा से लाडट माडट

पा कर ब्राह्मण स्वरूप में स्थित सभी गॉडली स्टूडेंट्स भी जैसे अपने लाइट माइट स्वरूप में स्थित हो गए हैं*।

➳ _ ➳ मीठे बच्चे कहकर सभी ब्राह्मण बच्चो को सम्बोधित करते हुए शिव बाबा ब्रह्मा मुख से अब मीठे मधुर महावाक्य उच्चारण कर रहें हैं और साथ साथ सभी को अपनी मीठी दृष्टि से निहाल भी कर रहें हैं। *सभी गॉडली स्टूडेंट ब्राह्मण बच्चे आत्मिक स्मृति में स्थित हो कर, बाबा की शक्तिशाली दृष्टि से स्वयं को भरपूर करने के साथ साथ बाबा के मधुर महावाक्यों को भी बड़े प्रेम से सुन रहे हैं*। सब अपलक बाबा को निहार रहे हैं। बाबा सभी बच्चों को पढ़ाई पर विशेष अटेंशन खिंचवाते हुए समझा रहे हैं कि ऊंच पद पाने के लिए पढ़ाई में सदा तत्पर रहना और एक दो को ज्ञान सुना कर उनका भी कल्याण करना।

➳ _ ➳ मैं मन ही मन "जी बाबा" कहते हुए बाबा के इस डायरेक्शन को अमल में लाने का दृढ़ संकल्प करती हुई विचार करती हूं कि *कितनी पदमापदम सौभाग्यशाली हूँ मैं, जिसे स्वयं भगवान से पढ़ने का सर्वश्रेष्ठ सौभाग्य प्राप्त हुआ*। पढ़ाई अच्छी रीति पढ़ने और एक दो को ज्ञान सुना कर उनका कल्याण करने का होमवर्क दे कर बाबा अपने धाम लौट जाते हैं। बाबा द्वारा मिले इस होमवर्क को पूरा करने के लिए मैं पूरी तन्मयता से अपनी ईश्वरीय पढ़ाई में लग जाती हूँ। *ज्ञान रत्न धारण कर, ज्ञान की शंख ध्वनि द्वारा औरों का कल्याण करने हेतू अब मैं ईश्वरीय विश्वविद्यालय से बाहर आ जाती हूँ*।

➳ _ ➳ चलते चलते रास्ते मे मिलने वाली आत्माओं को अब मैं सत्य ज्ञान सुनाती हुई, *उन्हें परमात्मा का यथार्थ परिचय दे कर परमात्मा से मिलने का रास्ता बताती हुई अपने कर्मक्षेत्र पर लौट आती हूँ और कर्मयोगी बन अपने कर्म में लग जाती हूँ*।

|| 8 || श्रेष्ठ संकल्पों का अभ्यास (Marks:- 5)

(आज की मुरली के वरदान पर आधारित...)

✺ *मैं सदा हर संकल्प और कर्म में ब्रह्मा बाप को फॉलो करने वाली आत्मा हूँ।*
✺ *मैं समीप और समान आत्मा हूँ।*

➢➢ इस संकल्प को आधार बनाकर स्वयं को श्रेष्ठ संकल्पों में स्थित करने का अभ्यास किया ?

———————————————

∬ 9 ∬ श्रेष्ठ संकल्पों का अभ्यास (Marks:- 5)
(आज की मुरली के स्लोगन पर आधारित...)

✺ *मैं आत्मा गोपी वल्लभ की सच्ची सच्ची गोपिका हूँ ।*
✺ *मैं आत्मा सदैव अतींद्रिय सुख का अनुभव करती हूँ ।*
✺ *मैं सुख स्वरूप आत्मा हूँ ।*

➢➢ इस संकल्प को आधार बनाकर स्वयं को श्रेष्ठ संकल्पों में स्थित करने का अभ्यास किया ?

———————————————

∬ 10 ∬ अव्यक्त मिलन (Marks:-10)
(अव्यक्त मुरलियों पर आधारित...)

✺ अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ दिल मे झण्डा तो लहरा लिया है और कपडे का झण्डा भी लहरा लिया है जगह-जगह पर। *अभी प्रत्यक्षता का झण्डा जल्दी से जल्दी लहराना ही है। यही व्रत लो, दृढ़ प्रतिज्ञा का व्रत लो की जल्दी से जल्दी यह झण्डा नाम बाला का लहराना ही है।* अभी दखी दनिया को मक्तिधाम मे जीवनमक्ति धाम

में भेजो। बहुत दुखी है ना तो रहम करो, अब दुख से छुडाओ। *जो बाप का वर्सा है - 'मुक्ति' का, वह सबको दिलाओ क्यों की परेशान बहुत हैं।* आप शान मे हो, वह परेशान हो। कभी भी मन्सा सेवा से अपने को अलग नही करना, सदा सेवा करते रहो। वायुमण्डल फैलाते रहो। *सुखदाता के बच्चे सुख का वायुमण्डल फैलाते चलो। यही मनाना है।*

✺ *ड्रिल :- "सुखदाता के बच्चे बन सुख का वायुमण्डल फैलाने का अनुभव"*

➳ _ ➳ मैं आत्मा अपने मीठे बाबा का हाथ पकड़े... उनसे मीठी-मीठी बातें करते हुए सैर कर रही हूँ... *मुझे तीर्थ यात्रा पर जाते हुए कुछ पदयात्री नजर आते हैं... जो कितना कष्ट, तकलीफें पाकर भी... भावना और प्रेम के वश पैदल चलते जा रहे हैं...* उनके हाथ में ध्वज/पताका है... मुंह से 'जय बाबा की' के जयकारे कर रहे हैं... उनके चेहरों पर अपने इष्टदेवों के प्रति कितना स्नेह है... जिस स्नेह और भक्ति भाव में भीगे हुए ये चलते जा रहे हैं...

➳ _ ➳ इनके हाथ में पताका देखकर मैं आत्मा याद करती हूँ शिवरात्रि को... जब *हम बाबा के बच्चे भी बाबा के अवतरण दिवस पर शिव ध्वज फहरा रहे हैं... हमारे दिलों में अपने प्यारे शिव साजन के स्नेह का झंडा लहरा रहा है.*.. हर ब्राह्मण आत्मा का दिल 'मेरा बाबा मेरा बाबा' के मधुर गीत गा रहा है... सबके दिलों में मीठे बाबा के प्यार की शहनाइयां गूंज रही हैं... सभी पर जैसे कि ईश्वरीय प्रेम का सुधा रस बरस रहा है... जिसे पीकर हर आत्मा रूपी चातक की प्यास बुझ रही है... और असीम तृप्ति मिल रही है...

➳ _ ➳ मैं आत्मा रूपी सूरजमुखी अपने ज्ञान सूर्य बाबा को निहार रही हूँ... बाबा की किरणों का स्पर्श पाकर मन की एक एक कली खिल उठी है... खुशियों में झूम रही है... *मैं आत्मा अपने खेलते मुस्कुराते हुए चेहरे से बाबा को विश्व में प्रत्यक्ष कर रही हूँ... अपनी दिव्य रूहानी मुस्कान, अव्यक्त स्थिति से हर एक के दिल में परमात्म प्यार का झंडा लहरा रही हूँ*... विश्व की प्यासी, तड़पती अतृप्त, अशांत आत्माओं को प्यारे रूहानी पिता से मिलवाने के निमित्त बन रही हूँ...

➳ _ ➳ कष्टों, पीड़ाओं के थपेड़े खा खाकर दुःखी, निराश, अशांत आत्माएं... एक क्षण की शांति को पाने के लिए बेताब है... ये अपने पिता और घर को भूलकर कैसे भक्ति मार्ग में दर-दर भटक रही हैं... पर कोई भी ठिकाना नहीं पा रही हैं... *उन आत्माओं को मुझ आत्मा के द्वारा अपने वास्तविक घर का ठिकाना मिल रहा है... अपने रूहानी घर और रूहानी पिता का परिचय पाकर आत्माओं की उदासी, पीड़ाएँ समाप्त हो रही हैं*... सभी अपने रूहानी बाबा से मुक्ति और जीवन मुक्ति का वर्सा ले रही हैं... हर एक के दिल में, जुबां पर बाबा का नाम बाला हो रहा है...

➳ _ ➳ *मैं आत्मा सुख सागर पिता की संतान सुख स्वरूप आत्मा हूँ...* बाबा की छत्रछाया में हूँ... अपने बाबा से सर्व संबंधों का रसास्वादन कर रही हूँ... मैं आत्मा अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूल रही हूँ... *ये सुख और आनंद के प्रकम्पन... मुझसे निकलकर चारों ओर फैल रहे हैं... चारों ओर का वायुमंडल चार्ज हो रहा है...* इस वायुमंडल में आने वाली हर आत्मा... सच्चे आत्मिक सुख का अनुभव कर रही है... मैं सुख सागर बाबा की किरणों के झरने के नीचे स्थित होकर सर्वत्र सुखों की वर्षा कर रही हूँ...

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले चार्ट के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔